

5/4/21

पञ्जाबली पेरु कुई। सांभं 5.00 लोके लक
 छार - छार भाषाज दिवाली गमी। प्राणी भाषा लतात क पञ्जाबली अरु
 भा: प्राणी हा प्राण पञ्जा भदल हाजरी अदल पेरवी
 मे खरीद किता जाता है। पञ्जाबली
 जेगल्य शुभार होकर फि नखर त क
 हो गया साकिल सप्पत है।

